PUBLICATION NAME :	**Nispaksh Divya Sandesh**
EDITION :	**Lucknow**
DATE :	**26/02/2023**
PAGE :	**11**

उद्यमिता पर 15वें द्विवार्षिक सम्मेलन का आयोजन

एनडीएस संवाददाता

लखनऊ। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया— ईडीआईआई) का पंद्रहवां द्विवार्षिक सम्मेलन बुधवार को संस्थान के परिसर में शुरू हुआ। उद्यमिता विषय को लेकर सम्मेलन में शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और चिकित्सकों को उद्यमिता विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अपने शोध अध्ययनों और निष्कर्षों को साझा करने के लिए एक मंच दिया जाएगा। सम्मेलन के दौरान, सोशल, हरित, महिला, कृषि, डिजिटल, एमएसएमई और समावेशी उद्यमिता जैसे विषयों पर 10 से अधिक देशों के स्कॉलर द्वारा 125 से अधिक पेपर और अध्ययन प्रस्तुत किए जाएंगे।

सम्मेलन का उद्घाटन इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद में एंटरप्रेन्योरशिप के प्रोफेसर (प्रैक्टिस) डॉ कविल रामचंद्रन ने कुमासी तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर डॉ गेब्रियल ड्वोमोह; डॉ अजीत के मोहंती, एमेरिटस फेलो, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, डॉ रामकृष्ण वेलामुरी, डीन और उद्यमिता के प्रोफेसर, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, महिंद्रा यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, और डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई की मौजूदगी में किया। डॉ कविल रामचंद्रन ने कहा, उद्यमिता या एंटरप्रेन्योरशिप आज अनुसंधान और नीति-निर्माण के मूल में है। यह एक वैश्विक चलन बन गया है। आज पूरे देश में पर्यावरण उद्यमिता के लिए अनुकूल है। किसी व्यवसाय की सफलता उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करती है, जिसमें व्यवसाय में शामिल मालिकों और अन्य लोगों की क्षमता और योग्यता भी शामिल होती है। फैमिली बिजनेस एक ऐसा क्षेत्र है, जहां मेरा मानना है कि पीढ़ियों के बीच सुगमता सुनिश्चित करने के लिए गतिशीलता पर और अधिक शोध करने की आवश्यकता है।